



FORESIGHT

नाम	: SAMPLE_CHILD
पुरुष / स्त्री	: पुरुष
जन्म स्थान : देश	: India
प्रांत / क्षेत्र	: /
शहर	: DELHI
जन्म दिनांक	: जनवरी १, २०००
जन्म दिन (कैलेंडर / ज्योतिषीय)	: शनिवार / शुक्रवार
जन्म समय	: ५:०:० बजे
विक्रम संवत (चैत्रीय / कार्तिकीय)	: २०५६ / २०५६
बंगाली सन	: १४०६
कोलम वर्ष	: ११७५
फुलशी वर्ष	: ०
ऋतु	: शिशिर
चाँद्र मास (चैत्रीय)	: पौष
चाँद्र मास (कार्तिकीय)	: मार्गशीर्ष
चाँद्र मास (बंगाली सन)	: पौष
चाँद्र मास (कोलम वर्ष)	: धनु
चाँद्र मास (फुलशी वर्ष)	: -
पक्ष	: कृष्ण
तिथी (सूर्योदय समय / जन्म समय)	: ९ / १०
जन्म समय (घटी पल में)	: ५४-घटी २२-पल ४५-विपल
रेखांश / अक्षांश	: ७७:१३ पूर्व / २८:३९ उत्तर
क्षेत्रीय समय	: + ५:३०:० बजे
स्थानिक समय संस्कार	: - ०:२१:८ बजे
युद्ध / ग्रीष्म समय संस्कार	: ०:०:० बजे
स्थानिक जन्म समय	: ४:३८:५२ बजे
सूर्योदय / सूर्यास्त (स्टैण्डर्ड समय में)	: ७:१४:५४ बजे / १७:३५:१५ बजे
काल समीकरण	: - ०:१:१८ बजे
सांपातिक काल जन्म समय पर	: ११:१८:३९ बजे
अयनांश (जन्म समय पर)	: २३:५१:११ बजे

अवकडहा चक्र

लग्न	: वृश्चिक
लग्नेश	: मंगल
राशि / पाया	: तुला/लोहा
राशि स्वामी	: शुक्र
सूर्य राशि (पाश्चात्य ज्योतिषीय)	: मकर
नक्षत्र	: स्वाति
नक्षत्र स्वामी	: राहु
चरण	: २
नाम का प्रथम अक्षर	: रे
योग	: सुकर्मा
करण	: विष्टि
गण	: देव
योनि	: महिष
नाडी	: अंत्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मृग

घातक

चाँद्र मास	: माघ
तिथि	: ४-९-१४
दिन	: गुरुवार
नक्षत्र	: शतभिषा
योग	: शुक्ल
करण	: तैत्ति
प्रहर	: ४
वर्ग	: सिंह
लग्न	: कन्या
सूर्य	: कन्या
चन्द्र	: धनु
मंगल	: तुला
बुध	: कर्क
गुरु	: वृश्चिक
शुक्र	: धनु
शनि	: सिंह
राहु	: मकर

निरयन ग्रह स्पष्ट

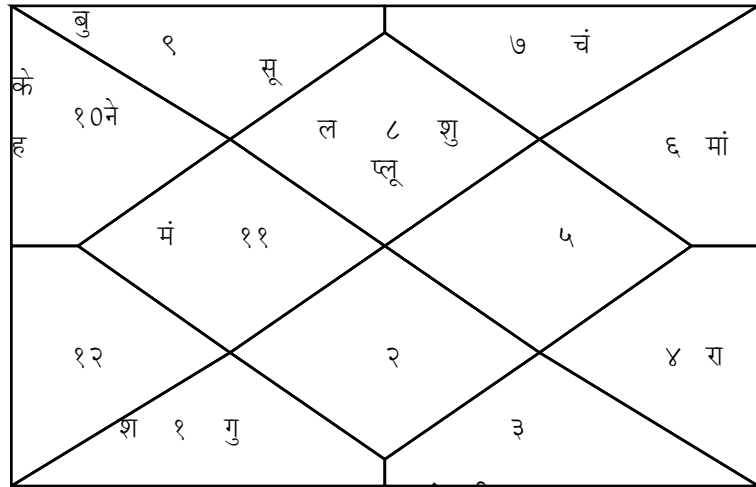
ग्रह	राशि	अंश	गति	गतिभेद	उच्च / नीच	अस्त	नक्षत्र	पद	राशि स्वामी	नक्षत्र स्वामी*	उपस्वामी
सूर्य	धनु	१५:५९:०५	०१:०१:१७	—	—	—	पूर्वाषाढा	१	गुरु	शुक्र	सूर्य
चन्द्रमा	तुला	१३:११:२६	१२:०७:१६	—	—	—	स्वाति	२	शुक्र	राहु	बुध
मंगल	कुंभ	०३:४२:२२	००:४६:३८	मार्गी	—	—	धनिष्ठा	४	शनि	मंगल	शुक्र
बुध	धनु	०७:१३:३३	०१:३३:२४	मार्गी	—	अस्त	मूल	३	गुरु	केतु	राहु
गुरु	मेष	०१:२३:१०	००:०२:२१	मार्गी	—	—	अश्विनी	१	मंगल	केतु	शुक्र
शुक्र	वृश्चिक	०७:०४:५३	०१:१२:३९	मार्गी	—	—	अनुराधा	२	मंगल	शनि	बुध
शनि	मेष	१६:३३:१९	००:०१:१५	वक्री	नीच	—	भरणी	१	मंगल	शुक्र	चन्द्रमा
राहु	कर्क	११:१३:०२	००:०३:११	—	—	—	पुष्य	३	चन्द्रमा	शनि	चन्द्रमा
केतु	मकर	११:१३:०२	००:०३:११	—	—	—	श्रवण	१	शनि	चन्द्रमा	मंगल
हर्षल	मकर	२०:५५:६०	००:०३:०१	मार्गी	—	—	श्रवण	४	शनि	चन्द्रमा	शुक्र
नेपच्यून	मकर	०९:१९:५७	००:०२:०८	मार्गी	—	—	उत्तराषाढा	४	शनि	सूर्य	शुक्र
प्लूटो	वृश्चिक	१७:२२:२०	००:०२:०७	मार्गी	—	—	ज्येष्ठा	१	मंगल	बुध	बुध
लग्न	वृश्चिक	१४:५५:४२	—	—	—	—	अनुराधा	४	मंगल	शनि	गुरु

विषुवांश	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो
क्रान्ति	१८:४२:४८	१४:२५:४३	२२:००:३३	१८:०४:४६	०१:३५:२४	१५:५६:५६	०२:३५:०७	२१:०९:४९	२०:२१:४३	१६:४४:३४
शर	००:००:००	०५:१३:५९	०१:०४:२७	००:५६:३७	००:१५:४६	०२:०४:४९	०२:३६:४९	००:३९:३०	००:१४:०५	१०:५४:१४

तारा चक्र

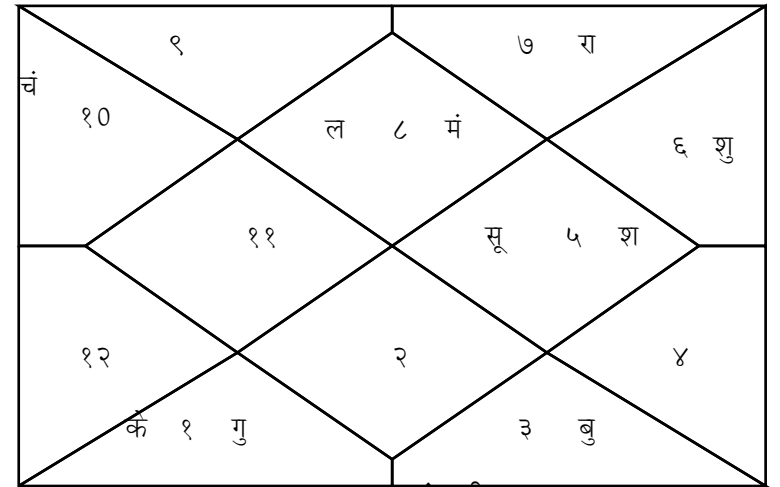
जन्म	संपत	विपत	क्षेम	प्रत्यरि	साधक	वध	मित्र	अति मित्र
स्वाति शतभिषा आर्द्रा	विशाखा पूर्वाभाद्रपद पुनर्वसु	अनुराधा उत्तराभाद्रपद पुष्य	ज्येष्ठा रेवती अश्लेषा	मूल अश्विनी मघा	पूर्वाषाढा भरणी पूर्वाफाल्गुनी	उत्तराषाढा कृत्तिका उत्तराफाल्गुनी	श्रवण रोहिणी हस्त	धनिष्ठा मृगशिर चित्रा

लग्न



मूल जन्म कुंडली

नवमांश



सहायक कुंडली

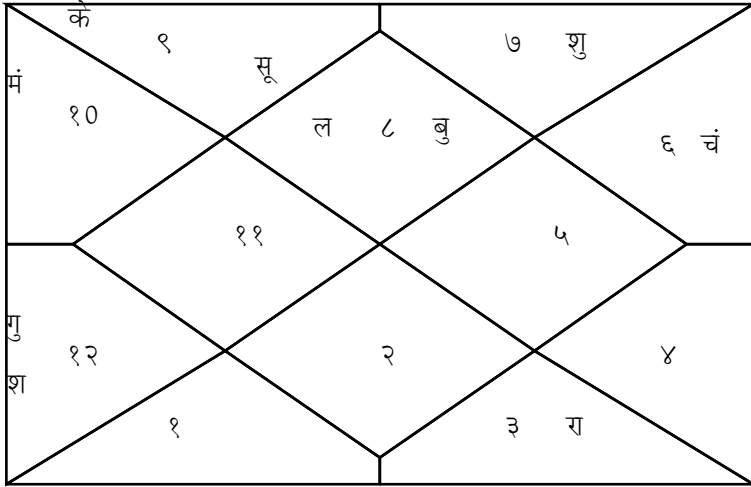
संधि स्पष्ट

संधि	राशि	अंश	नक्षत्र	राशि स्वामी	नक्षत्र स्वामी*	उपस्वामी
१	वृश्चिक	१४:५५:४१	अनुराधा	मंगल	शनि	गुरू
२	धनु	१५:५८:२३	पूर्वाषाढा	गुरू	शुक्र	सूर्य
३	मकर	२०:१३:०३	श्रवण	शनि	चन्द्रमा	केतु
४	कुंभ	२४:५४:१२	पूर्वाभाद्रपद	शनि	गुरू	बुध
५	मीन	२५:५४:४०	रेवती	गुरू	बुध	राहु
६	मेष	२२:०१:५१	भरणी	मंगल	शुक्र	शनि
७	वृषभ	१४:५५:४१	रोहिणी	शुक्र	चन्द्रमा	गुरू
८	मिथुन	१५:५८:२३	आर्द्रा	बुध	राहु	शुक्र
९	कर्क	२०:१३:०३	अश्लेषा	चन्द्रमा	बुध	शुक्र
१०	सिंह	२४:५४:१२	पूर्वाफाल्गुनी	सूर्य	शुक्र	बुध
११	कन्या	२५:५४:४०	चित्रा	बुध	मंगल	राहु
१२	तुला	२२:०१:५१	विशाखा	शुक्र	गुरू	शनि

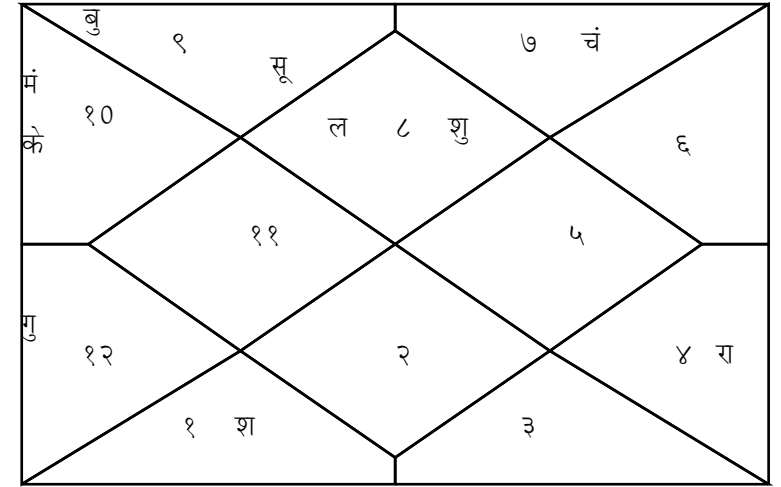
द्वादश भाव स्पष्ट

भाव	आरम्भ	भाव	मध्य
वृश्चिक	०१:३५:२६	वृश्चिक	१४:५५:४१
धनु	०१:३५:२६	धनु	१८:१५:११
मकर	०४:५४:५७	मकर	२१:३४:४२
कुंभ	०८:१४:२७	कुंभ	२४:५४:१२
मीन	०८:१४:२७	मीन	२१:३४:४२
मेष	०४:५४:५७	मेष	१८:१५:११
वृषभ	०१:३५:२६	वृषभ	१४:५५:४१
मिथुन	०१:३५:२६	मिथुन	१८:१५:११
कर्क	०४:५४:५७	कर्क	२१:३४:४२
सिंह	०८:१४:२७	सिंह	२४:५४:१२
कन्या	०८:१४:२७	कन्या	२१:३४:४२
तुला	०४:५४:५७	तुला	१८:१५:११

संधि कुण्डली



भाव चलित कुण्डली



शुभ पाप वर्ग कोष्ठक

शुभ वर्ग	पाप वर्ग	शुभ वर्ग	पाप वर्ग	सू	चं	मं	बु	गु	शु	श	रा	के	लग्न
५	२	७	३	५	३	१	३	०	४	४	५	५	३
२	७	३	३	२	४	६	४	७	३	३	२	२	४
७	३	३	३	७	४	४	४	१	५	६	८	७	४
३	३	३	३	३	६	६	६	९	५	४	२	३	६

ग्रहों की अवस्था

सूर्य युवा	चन्द्रमा युवा	मंगल बाल	बुध कुमार	गुरू बाल	शुक्र वृद्ध	शनि युवा	राहु वृद्ध	केतु वृद्ध
------------	---------------	----------	-----------	----------	-------------	----------	------------	------------

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा जन्म समय पर: राहु ९ वर्ष २ मास ९ दिन

ग्रहों की महादशा तथा अंतर्दशा

रा-१८ वर्ष	गु-१६ वर्ष	श-१९ वर्ष	बु-१७ वर्ष	के-७ वर्ष	शु-२० वर्ष	सू-६ वर्ष	चं-१० वर्ष	मं-७ वर्ष	रा-१८ वर्ष
०१/०१/२००० ११/०३/२००९	११/०३/२००९ ११/०३/२०२५	११/०३/२०२५ ११/०३/२०४४	११/०३/२०४४ ११/०३/२०६१	११/०३/२०६१ ११/०३/२०६८	११/०३/२०६८ १०/०३/२०८८	१०/०३/२०८८ ११/०३/२०९४	११/०३/२०९४ ११/०३/२१०४	११/०३/२१०४ १३/०३/२१११	१३/०३/२१११ ०२/०१/२१२०
रा ००/००/०० गु ००/००/०० श ००/००/०० बु ०१/०१/०० के १०/०९/०१ शु २८/०९/०२ सू २८/०९/०५ चं २३/०८/०६ मं २२/०२/०८	गु ११/०३/०९ श २९/०४/११ बु १०/११/१३ के १६/०२/१६ शु २२/०१/१७ सू २२/०९/१९ चं ११/०७/२० मं १०/११/२१ गु १७/१०/२२	श ११/०३/२५ बु १४/०३/२८ के २२/११/३० शु ०१/०१/३२ सू ०२/०३/३५ चं १२/०२/३६ मं १३/०९/३७ गु २३/१०/३८ श २८/०८/४१	बु ११/०३/४४ के ०७/०८/४६ शु ०५/०८/४७ सू ०४/०६/५० चं ११/०४/५१ मं ०९/०९/५२ गु ०७/०९/५३ श २६/०३/५६ बु ०२/०७/५८	के ११/०३/६१ शु ०७/०८/६१ सू ०७/१०/६२ चं १२/०२/६३ मं १३/०९/६३ गु ०९/०२/६४ श २७/०२/६५ बु ०३/०२/६६ के १४/०३/६७	शु ११/०३/६८ सू ११/०७/७१ चं १०/०७/७२ मं ११/०३/७४ गु ११/०५/७५ श ११/०५/७८ बु ०९/०१/८१ के १०/०३/८४ शु ०९/०१/८७	सू १०/०३/८८ चं २८/०६/८८ मं २८/१२/८८ गु ०४/०५/८९ श २९/०३/९० बु २५/०१/९१ के १५/०१/९१ शु २८/१२/९१ सू ०३/११/९२ चं ११/०३/९३	चं ११/०३/९४ मं ०९/०१/९५ गु १०/०८/९५ श ०८/०२/९७ बु १०/०६/९८ के १२/०९/०७ शु १०/०१/०० सू ११/०६/०१ चं १०/०१/०२ मं ११/०९/०३	मं ११/०३/०४ गु ०७/०८/०४ श २७/०८/०५ बु ०३/०८/०६ के १२/०९/०७ शु ०८/०९/०८ सू ०४/०२/०९ चं ०६/०४/१० मं १२/०८/१०	रा १३/०३/११ गु २३/११/१३ श १८/०४/१६ बु ०२/०१/२० के ००/००/०० शु ००/००/०० सू ००/००/०० चं ००/००/०० मं ००/००/००

प्रत्यंतर दशा

गु-शु	गु-सू	गु-चं	गु-मं	गु-रा	श-श	श-बु	श-के	श-शु
२२/०१/२०१७ २२/०९/२०१९	२२/०९/२०१९ ११/०७/२०२०	११/०७/२०२० १०/११/२०२१	१०/११/२०२१ १७/१०/२०२२	१७/१०/२०२२ ११/०३/२०२५	११/०३/२०२५ १४/०३/२०२८	१४/०३/२०२८ २२/११/२०३०	२२/११/२०३० ०१/०१/२०३२	०१/०१/२०३२ ०२/०३/२०३५
शु २२/०१/१७ सू ०३/०७/१७ चं २१/०८/१७ मं १०/११/१७ गु ०६/०१/१८ श ०१/०६/१८ शु ०८/१०/१८ बु १२/०३/१९ के २८/०७/१९	सू २२/०९/१९ चं ०७/१०/१९ मं ३१/१०/१९ गु १७/११/१९ श ३१/१२/१९ बु ०८/०२/२० के २६/०३/२० शु ०६/०५/२० सू २३/०५/२०	चं ११/०७/२० मं २०/०८/२० गु १८/०९/२० श ३०/११/२० बु ०३/०२/२१ के २१/०४/२१ शु २९/०६/२१ सू २७/०७/२१ चं १६/१०/२१	मं १०/११/२१ गु ३०/११/२१ श २०/०१/२२ बु ०६/०३/२२ के ११/०३/२४ शु ०१/०५/२४ सू २४/०९/२४ चं ०७/११/२४ मं १९/०१/२५	रा १७/१०/२२ गु २५/०२/२३ श २२/०६/२३ बु ०८/११/२३ के ११/०३/२४ शु ०१/०५/२४ सू २४/०९/२४ चं ०७/११/२४ मं १९/०१/२५	श ११/०३/२५ बु ०१/०९/२५ के ०४/०२/२६ शु ०९/०४/२६ सू ०९/१०/२६ चं ०३/१२/२६ मं ०५/०३/२७ गु ०८/०५/२७ श १९/१०/२७	बु १४/०३/२८ के ३१/०७/२८ शु २७/०९/२८ सू ०९/०३/२९ चं २८/०४/२९ मं १८/०७/२९ गु १४/०९/२९ श ०८/०२/३० सू १९/०६/३०	के २२/११/३० शु १६/१२/३० सू २१/०२/३१ चं १३/०३/३१ मं १६/०४/३१ गु १०/०५/३१ श ०९/०७/३१ सू ०१/०९/३१ चं ०४/११/३१	शु ०१/०१/३२ सू १२/०७/३२ चं ०७/०९/३२ मं १३/१२/३२ गु १८/०२/३३ श ११/०१/३३ बु १४/०७/३४ के २५/१२/३४
श-सू	श-चं	श-मं	श-रा	श-गु	बु-बु	बु-के	बु-शु	बु-सू
०२/०३/२०३५ १२/०२/२०३६	१२/०२/२०३६ १३/०९/२०३७	१३/०९/२०३७ २३/१०/२०३८	२३/१०/२०३८ २८/०८/२०४१	२८/०८/२०४१ ११/०३/२०४४	११/०३/२०४४ ०७/०८/२०४६	०७/०८/२०४६ ०५/०८/२०४७	०५/०८/२०४७ ०४/०६/२०५०	०४/०६/२०५० ११/०४/२०५१
सू ०२/०३/३५ चं २०/०३/३५ मं १८/०४/३५ गु ०८/०५/३५ श २९/०६/३५ शु * ११/०८/३५	चं १२/०२/३६ मं ०१/०४/३६ गु ०४/०५/३६ श ३०/०७/३६ शु १५/१०/३६ बु ३०/०५/३६	मं १३/०९/३७ रा ०६/१०/३७ गु ०६/१२/३७ श २९/०१/३८ बु ०३/०४/३८ के ३०/०५/३८	रा २३/१०/३८ गु २८/०३/३९ श १३/०८/३९ बु २५/०१/४० के २१/०६/४० शु ३०/०८/४०	गु २८/०८/४१ श ३०/१२/४१ बु २५/०५/४२ के ०३/१०/४२ शु २६/११/४२ सू ३०/०४/४३	बु ११/०३/४४ के १३/०७/४४ शु ०३/०९/४४ सू २७/०१/४५ चं १२/०३/४५ मं १५/०५/४५ गु ०५/०१/४५	के ०७/०८/४६ शु २९/०८/४६ सू २८/१०/४६ चं १५/११/४६ मं १५/१२/४६ गु ०५/०१/४७	शु ०५/०८/४७ सू २४/०१/४८ चं १६/०३/४८ मं १०/०६/४८ गु ०९/०८/४८ श ३०/०५/४९	सू ०४/०६/५० चं २०/०६/५० मं १६/०७/५० गु ०३/०८/५० श १९/०९/५० बु ३०/०४/५० के १८/१२/५०

मंगली विचार

SAMPLE_CHILD मंगली है क्योंकि मंगल लग्न से चतुर्थ स्थान में, शुक्र से चतुर्थ स्थान में है।

मंगली दोष लग्न से दूर नहीं होता इस से

विवाहोपरान्त पारिवारिक जीवन संघर्षपूर्ण और तनावपूर्ण हो सकता है। जीवनसाथी से मतभेद के कारण वैवाहिक जीवन में सुख की कमी हो सकती है। सास से आपके संबंध मधुर न होने की संभावना है। मंगली दोष शुक्र से दूर नहीं होता इस से कारण विवाहित जीवन में बाधाएं आ सकती हैं। ११ ११ ५

उपयुक्त रत्न

नीलम— शनि का रत्न नीलम है। शनि द्वारा उत्पन्न दोष को दूर करने के लिए तथा उसे बलवान बनाने के लिए आपको नीलम धारण करना चाहिए। नीलम के धारण करने से आपको गृह—भूमि तथा वाहन की प्राप्ति होगी। यह रत्न आपको मानसिक शांति प्रदान करेगा। संभव है कि इस रत्न के पहनने से आपमें शक्ति, स्फूर्ति और साहस की वृद्धि हो तथा आप कोई नया उद्योग भी प्रारम्भ कर सकें। सवा चार रत्नी का नीलम लेकर, उसे पंच धातु अथवा स्टील की अगूंठी में जड़वाकर, शुक्लपक्ष के किसी शनिवार को सूर्योदय के समय स्वच्छ जल अथवा कच्चे दूध से धोकर अगबत्ती की धूप दिखाकर, ईश्वर का स्मरण करते हुए मध्यमा में पहनना चाहिए। नीलम पहनने से श्वास संबंधी रोग तथा पैरों के कष्ट दूर हो सकते हैं। नीलम के बदले आप जिरकान, कटैला, नीला तामड़ा और लाजवर्त भी पहन सकते हैं।

साढ़ेसातीशनि के साढ़ेसात वर्ष

आपकी दूसरी साढ़ेसाती २२ अक्टूबर २०३८ से शुरू होकर ७ दिसम्बर २०४६ को समाप्त होगी। इस अवधि में आपके लिए लाभप्रद परिवर्तन होंगे। आपको कोयला अथवा लोहे का व्यापार लाभप्रद रहेगा। इस समय आप प्रगति पथ पर बढ़ते चले जाएंगे। आपकी ढैय्या २५ सितम्बर २०४१ से शुरू होकर १२ दिसम्बर २०४३ को समाप्त होगी। आप परदेश वास कर सकते हैं। आपको बार—बार यात्रा करनी पड़ेगी। आपको इस समय में मिश्रित फल प्राप्त होगा। आप स्वजनों से दूर परदेश में रहेंगे। आपको शारीरिक कष्ट हो सकता है। आपका जीवनसाथी अस्वस्थ हो सकता है। आपकी धन हानि हो सकती है।

आपकी तीसरी साढ़ेसाती ३० अगस्त २०६८ से शुरू होकर ११ अक्टूबर २०७६ को समाप्त होगी। मान—सम्मान, उद्योग—धंधे और द्रव्य प्राप्ति के लिए यह अनुकूल समय है। आपका यश बढ़ेगा और सभी इष्ट कार्य संपन्न हो जाएंगे। संतान की ओर से कुछ चिंता हो सकती है। आपकी ढैय्या ४ नवम्बर २०७० से शुरू होकर २३ अक्टूबर २०७३ को समाप्त होगी। आप अपने जीवन में संघर्ष तो करेंगे परंतु संघर्ष के बाद आपको सफलता प्राप्त हो जाएगी। आपको परदेश में रहना पड़ सकता है तथा बहुत अधिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। आप स्थानांतरण के कारण परदेश में रह सकते हैं। आपके कार्यों में रुकावट पड़ सकती है। आपका पुत्र कुसंगति में पड़ सकता है।

चन्द्रमा पर से शनि का गोचर भ्रमण होने के समय आप निराश हो सकते हैं। अधिक परिश्रम करने पर भी आपको वांछित परिणाम प्राप्त नहीं हो पाएंगे। इस अवधि में घोड़ेकी नाल से बनी लोहे की अगूंठी या नाव के लोहे से बनी अगूंठी मध्यमा अंगुली में

आपके लिए पहनना उचित होगा। आपको हनुमान मंदिर या शनिदेव के मंदिर में जाना चाहिए। दान में सरसों का तेल तथा काले उड़द देना चाहिए। शनि भगवान की उपासना मंत्रों द्वारा कीजिए तथा शनिवार का व्रत रखना आपके लिए उपयोगी होगा।

योग कारक एवं मारक

सूर्य, चन्द्रमा और गुरु आपके लिए योग कारक है। जब भी योगकारक ग्रहों की दशा या अर्न्तदशा आएगी आप सदैव प्रसन्नचित्त रहेंगे तथा सभी क्षेत्रों में सफलता पाएंगे।

बुध और शुक्र आपके लिए मारक है। जब भी मारक ग्रहों की दशा या अर्न्तदशा आएगी उस समय आप परेशान हो सकते हैं ऐसे समय आपको सावधानी से काम करना चाहिए तथा अनावश्यक जोखिम नहीं लेना चाहिए।

सामान्य गुणों का विवेचन

आपके जन्म के समय, उस स्थान पर वृश्चिक राशि का १५ अंश पूर्व क्षितिज पर उदय हो रहा था। लग्न स्वामी मंगल, द्रेष्काण स्वामी गुरू, नक्षत्र स्वामी शनि तथा नवमांश स्वामी मंगल और अंश स्वामी गुरू के नक्षत्रीय प्रभाव से आपके व्यक्तित्व कानिर्माण होता है।

आपकी जन्म पत्रिका में ग्रहों के संयुक्त प्रभाव से यह विदित होता है कि आप चतुर, मननशील तथा उत्तमप्रशासकीय योग्यता सम्पन्न व्यक्ति हैं। आप विचारशील तथा साधन सम्पन्न हैं। आपको शक्ति और अधिकार सहज ही प्राप्त हो जाते हैं। आपमें दृढ़ संकल्प शक्ति तथा साहस है। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सतत तथा व्यवस्थित रूप से प्रयास करते हैं। आप अपनी उदारता तथा सहृदयता के कारण, अपने सुखों में दूसरों को भी शामिल करते हैं। आप किंचित अशान्त रहने वाले किन्तु साहसी व्यक्ति हैं। आप उच्च आध्यात्मिक व्यक्ति हैं तथा स्वप्नों से भी आपको प्रेरणा मिलती है।

वृश्चिक राशि के प्रभाव से आप अत्यधिक भावप्रवण हैं। भावनाओं को नियंत्रित करने पर आप अत्यंत शक्तिसम्पन्न हो सकते हैं और इच्छानुसार कोई भी कार्य हाथ में ले सकते हैं। आप कभी निष्क्रिय नहीं रहते और विघ्न—बाधाओं से संघर्ष करने में आपको आनंद आता है। आप कभी हताश नहीं होते और अंत तक संघर्ष करते हैं। भावनाओं पर नियंत्रण न कर पाने के कारण आप ईर्ष्याग्रस्त हो सकते हैं। आप सदा विषयासक्त रहेंगे। आप शीघ्र क्रोधित हो जाते हैं। प्रायः आप अपने काम दूसरों पर न छोड़ कर स्वयं करना चाहते हैं और जो भी काम लेते हैं उसमें अत्यधिक लिप्त हो जाते हैं। फलस्वरूप आपको सामर्थ्य से अधिक काम करना पड़ता है। आपमें असीम शक्ति और धैर्य है और संकट के समय में दृढ़ रहते हैं। आप लंबे समय तक काम के तनाव और बोझ को सहन कर सकते हैं।

यद्यपि आप स्वयं दुर्बल नहीं हैं और दूसरों में भी दुर्बलता नापसन्द करते हैं किन्तु आप प्रायः दूसरों की उदारतापूर्वक सहायता करते हैं। आप दूसरों की सदेच्छा पर सहज ही विश्वास नहीं करते और उन्हें संदेह की दृष्टि से देखते हैं। आप अपना मन्तव्य और गहन भावनाओं को प्रगट नहीं करते और किसी को विश्वास में नहीं लेते। किसी से संघर्ष होने पर आप किसी प्रकार की रियायत नहीं करते और न उसकी अपेक्षा करते हैं। आपकी बोलने और कार्य करने की गति तीव्र होती है जिससे आपका व्यवहार उत्तेजनात्मक लगता है। आपकी वाणी कटु और व्यंग्यात्मक होती है और आप सहसा क्रोधावेगपूर्ण हो जाते हैं। फलतः आपसे शत्रुता मोल लेना भारी पड़ता है तथापि आपकी मित्रता सच्ची होती है।

आप उपक्रमशील और श्रेष्ठ निर्णय बुद्धि सम्पन्न हैं। आप रहस्य और गूढ़ विषयों के अनुसंधान में रुचिलेते हैं। यद्यपि आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है किन्तु आपके विचार निश्चित होते हैं। आप व्यक्तिगत जीवन में अपने लिए जीते हैं। आपमें दूसरों में गलती खोजने की प्रवृत्ति है। आप बदले की भावना रखते हैं और समझौता नहीं करना चाहते। विषयासक्ति आपकी विशेष कमजोरी है।

कुम्भ में मंगल इस बात का सूचक है कि जीवनके संबंध में आपके सिद्धान्त उच्च और दृष्टिकोण आधुनिक है। आप क्रियाशील होने की अपेक्षा विचारशील अधिक हैं। चुनौतियों का सामना धैर्य के साथ करने वाले अच्छे नेताके सभी गुण आपमें

हैं। प्रभारी पद पर भलीभांति काम करना और तर्क आश्रित परम्पराओं का ही पालन करना आपकी विशेषता है।

वाद—विवाद में तीक्ष्ण बुद्धि, सुनिश्चित विचार और दूसरों से सरलता से प्रभावित न होने के गुण आपमें हैं। अपने अचानक परिवर्तनों से आप दूसरों को आश्चर्य में डाल देते हैं।

आप अत्यन्त स्वतंत्र प्रकृति के व्यक्ति हैं। अपने रुखे व्यवहार से अपने समर्थकों को खो देना, क्रोध में उग्र हो जाना आपकी प्रवृत्ति है।

चतुर्थ भाव में मंगल माता, शिक्षा और घरेलू मामलों के लिये अनुकूल नहीं है। माता—पिता से मनमुटाव या उनमें से किसी एक से अपेक्षाकृत शीघ्र वियोग हो सकता है। भाई—बहनों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध न रहने तथा जीवन—साथी से मतभेदों के कारण विवाहित जीवन दुखी हो सकता है। इस कारण संबंध विच्छेद भी हो सकता है। जीवन का अंतिम चरण विशेष कष्टपूर्ण हो सकता है। खराब पाचन शक्ति, अम्ल आदि के कारण आप अस्वस्थ रहेंगे।

किसी बड़े भाई या बहन के कारण आप अत्यन्त शोकाकुल और प्रभावित होंगे। पारिवारिक सम्पत्ति के कारण मुकदमेबाजी की संभावना है।

धनु राशि में द्वितीय भाव में सूर्य होने से आप स्वभाव से मिलनसार, उत्साही और उच्च आदर्शों के समर्थक हैं। अपनी सहनशीलता के कारण आप दूसरों के साथ मिलकर कार्य कर सकते हैं। तथापि, आपकी स्पष्टवादिता कभी—कभी दूसरों को आहत कर सकती है।

यह स्थिति अधिकार प्राप्त और प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा आपके प्रयत्नों को प्रशंसित और पुरस्कृत करायेंगी और आपको लाभ दिलायेगी। अधिकार के सही प्रयोग द्वारा और उच्च पदों पर कार्य करके आप धन कमाएंगे।

द्वितीय भाव में धनु राशि आपको पर्याप्त धन दिलाएगी और कभी—कभी विशेष भाग्योदय भी होगा। आप अपनी अनेक गतिविधियों के संयोग से धन कमा सकेंगे किन्तु कभी—कभी असावधानी के कारण हानि भी हो सकती है। आपकी आय और व्यय में उतार—चढ़ाव आते रहेंगे। आपकी अति उदार प्रवृत्ति और मुकदमेबाजी के कारण भी आपको हानि हो सकती है।

आपके परिवार में कुछ गम्भीर समस्याएं उत्पन्न होने और अप्रिय घटनाएं होने की संभावना है तथा साथ ही संतान से भी आपको सीमित सुख मिलने की संभावना है। बुरी आदतों अथवा व्यसनों से आपके धन और स्वास्थ्य की हानि हो सकती है। असमय ही आपको दृष्टिदोष होने की आशंका है।

शांति आपके जीवन का मुख्य लक्ष्य है। आप जीवन में उच्च आदर्शों को अपनाते हैं और भावुकता को महत्त्व नहीं देते हैं। आप विचारों के आदान—प्रदान में रुचि लेते हैं तथा आप उत्तम श्रोता ही नहीं बल्कि पक्ष—समर्थक भी होंगे। यह आपके विचारों को वास्तविकता में परिवर्तित करने में सहायक होगा। समानता आपका मुख्य गुण है तथा अपने अहं के लिए दूसरों को हानि पहुंचाने का प्रयत्न नहीं करते।

आप अपने चुने हुए कार्य में सफल होंगे। अपनी शिक्षा तथा कार्यकुशलता से आप अपने सहयोगियों में प्रिय होंगे। आप वर्तमान का आनन्द प्राप्त करना चाहते हैं और उस आनन्द में वृद्धि की दृष्टि से अतीत तथा भविष्य को भी सम्बद्ध करते हैं।

आपको बचपन में बहुत प्रेम तथा स्नेह प्राप्त होगा और इसी कारण जीवन—पर्यन्त आप माता—पिता से सहायता तथा सहानुभूति प्राप्त करेंगे। आपकी संतान भी आपसे प्रसन्नता प्राप्त करेगी। पुरुषों—महिलाओं तथा किसी भी आयु वर्ग के लोगों से आपके संबंध सौहार्दपूर्ण रहेंगे। आप अपने जन्म स्थान पर कार्य करने में अधिक सफल हो सकते हैं किन्तु बाहर भी आप अपने आस—पास के वातावरण को घर जैसा ही बनाने में सक्षम हैं।

आपमें उत्तरदायित्व की भावना है तथा आप प्रायः बिना अधिक प्रयास के ही सफलता प्राप्त कर लेते हैं। अपने भावनात्मक, सामाजिक तथा शारीरिक हितों के प्रति आपमें आत्मविश्वास है। यद्यपि आप अत्यधिक महत्वाकांक्षी नहीं हैं किन्तु अपने आत्मविश्वास से आप उच्च सफलता प्राप्त कर लेते हैं। आप उचित समय पर उचित कार्य करते हैं और दूसरे इसे आपका भाग्य मानते हैं। आपकी अच्छी आदतों के कारण आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

आप एक संवेदनशील और विचारशील व्यक्ति हैं। आपकी स्मरणशक्ति तथा सीखने की क्षमता असाधारण है। आप एक समझदार व्यक्ति हैं तथा जीवन की किसी भी स्थिति में समझौता कर लेते हैं। आपकी उदारता के कारण आपके बहुत से मित्र होंगे। आप अच्छी तरह बातचीत करते हैं तथा अपनी जिज्ञासा शान्त करने के लिए बहुत अधिक अध्ययन करते हैं। आपका मैत्रीपूर्ण स्वभाव तथा रचनात्मक दृष्टिकोण चारों ओर प्रसन्नता का वातावरण निर्माण करता है। निष्ठाहीनता तथा बेईमानी की आपको अनुभूति हो जाती है।

आपके जनसंपर्क शीघ्र ही बन जाते हैं। जनता से संबंधित व्यवसायों में आप अत्यंत सफल होंगे। अन्य व्यक्तियों के साथ व्यवहार में चतुरता बरतने के कारण अन्य व्यक्ति आपके साहचर्य में सहजता का अनुभव करते हैं। आप किसी भी कार्य के विस्तार पर पूर्ण ध्यान देते हैं जिससे आपके कार्य में पूर्णता आ जाती है।

आप चतुर, प्रसन्न एवं विजयी व्यक्तियों से भावनात्मक संबंध स्थापित कर लेते हैं और इन संबंधों को बनाए रखने का प्रयत्न करते हैं। आप अपने जीवन—साथी के साथ कार्य करके वर्तमान और भविष्य का सुखद संयोग उपस्थित करते हैं। आपको उन अभिरूचियों से आनन्द प्राप्त होता है जिनमें आपके प्रिय संलग्न हों। आप साथ—साथ कार्य करने में आनन्द प्राप्त करते हैं और सभी वस्तुओं का उपभोग बांट कर करने के लिए तैयार रहते हैं। आप अपने परिवेश को समृद्ध बनाने में सदैव योगदान देते हैं।

आप अपने अतीत और अपने माता—पिता की परिस्थितियों से अभिभूत हैं। इनसे छुटकारा पाइए और भविष्य की ओर देखिए। आपका जीवन एकाकी है किन्तु अपने एकाकीपन से दूर भागने के अपने प्रयास में कभी—कभी आप दूसरों पर बलपूर्वक छा जाते हैं और यह स्थिति उन्हें आपसे अलग कर देती है।

आप घनिष्ठ किन्तु अस्थायी संबंध बना सकते हैं जोकि शारीरिक चेष्टाओं पर आधारित होंगे, क्योंकि आप सोचते हैं कि भावनात्मक जिम्मेदारी एक बोझ है। अपना दृष्टिकोण निराशाजनक मत रखिए। दीन—दरिद्रों की बात सोचिए और आपको पता चल जाए कि आप कितने भाग्यशाली हैं।

गूढ़—विद्या के क्षेत्र में सतही रुचि न लें क्योंकि आप और अधिक भ्रम में पड़ेंगे।

आप कभी—कभी निराशावादी तथा तनावग्रस्त अनुभव करते हैं। आपमें लोगों तथा घटनाओं के बारे में भयभीत रहने की प्रवृत्ति है। जीवन के प्रति आप गंभीर दृष्टिकोण रखते हैं। वृद्ध व्यक्तियों के साथ आपके उत्तम संबंध होंगे और जब कभी वृद्ध व्यक्ति आपको स्वीकार नहीं करते तो आप एकाकीपन अनुभव करते हैं।

बचपन की कर्तव्यनिष्ठा तथा सरल स्वभाव की भावना से आप अपने लिए उत्तम चरित्र के जीवन—साथी का चुनाव करेंगे। आत्मानुशासन के होते हुए भी आप असंयमी स्वभाव के व्यक्ति के साथ भी प्रसन्नता अनुभव करेंगे। आप अपने बच्चों के प्रति उदार रहेंगे।

आप एक जिज्ञासु व्यक्ति हैं और कभी चुपचाप नहीं बैठते। आपकी जिज्ञासा अनंत है और किसी भी कार्य को प्रारंभ करने से पूर्व आप उस पर पूर्ण रूप से विचार करते हैं। आपमें अभिव्यक्ति की सहज क्षमता है जिससे आपके विरोधी भी परास्त हो जाते हैं। आपकी सतर्कता आपको जोखिम भरे कार्यों में संलग्न होने से बचा देती है।

आपका सामाजिक शिष्टाचार आपको लोकप्रिय बनाता है। किसी भी सार्वजनिक सभा में आपकी उपस्थिति प्रशंसनीय होती है क्योंकि आप सभी व्यक्तियों के साथ सहज ही तादात्म्य स्थापित कर लेते हैं। मैत्रीपूर्ण स्वभाव तथा बौद्धिक सजगता के कारण आप एक सफल रिपोर्टर बन सकते हैं। यदि आप अध्यापन, वकालत, लेखन या जन—संपर्क संबंधी कोई व्यवसाय अपनाएं तो सम्प्रेषण आपके लिए सहज होगा। आपको संघर्ष प्रिय है अतः राजनीति भी ऐसा क्षेत्र हो सकता है जिस में आप पूर्णतया सफल होंगे।

चुनौतीपूर्ण स्थितियों का सामना करने के लिए आप अपनी शारीरिक एवं मानसिक शक्तियाँ तथा भौतिक एवं आध्यात्मिक साधनों का उपयोग करते हैं। आपको पराजित या शोषित नहीं किया जा सकता क्योंकि आपवाद—विवाद में विजयी रहते हैं।

बुद्धिमान होने के कारण आप अध्यापन, वकालत या लेखन का व्यवसाय आपना सकते हैं।

सम्प्रेषण की अच्छी क्षमता के कारण आपके बहुतसे प्रशंसक होंगे, विशेषकर युवा वर्ग के। अन्य व्यक्तियों की धारणा के लिए आप उनका आदर करते हैं। आपमें यौनेच्छा की अधिकता होगी।

धनु में बुध दर्शाता है कि आप सत्यवादी तथा नीरस प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे। आप परिणाम का विचार किए बिना बात कह देते हैं। आप ईमानदार, उदार, मृदुभाषी और स्पष्टवादी हैं तथा दूसरों को धोखा देना पसन्द नहीं करते। आपको सत्य की अनुभूति होती है, परन्तु विभिन्न रुचियों की बहुलता के कारण आपकी मानसिक शक्ति बिखर—सी जाती है। आपकी जन्मजात प्रतिभा को विकास की नहीं अपितु केवल उचित निर्देशन की आवश्यकता है। आपको बौद्धिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। दर्शन, धर्म तथा कानून के माध्यम से आपका मानसिक विकास संभव है। आप धर्म, गूढ़—रहस्यों तथा दार्शनिक विषयों के विद्वान हो सकते हैं। धार्मिक तथा नैतिक कार्यों पर आप धन व्यय करेंगे।

आप दीर्घ जीवन का आनन्द लेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी पर

कुछ बड़ी हानियों की भी संभावना है। आपका जीवन—साथी प्रतिष्ठित परिवार से सम्बद्ध होगा। उसके असन्तोषी तथा उग्र स्वभाव के कारण आपका घरेलू जीवन कुछ अशांत हो सकता है। आपके तथा जीवन—साथी के मध्य भारी मतभेद हो सकते हैं तथा अलगाव की भी आशंका है। भाई—बहिनों से भी आपको असन्तोष रहेगा। आपकी किसी संतान के ऊंचाई से गिरनेकी आशंका रहेगी।

आप आशावादी हैं और सफलता प्राप्ति के लिए आपको अपनी योग्यता पर विश्वास है। आपको प्रत्येक क्षेत्रका ज्ञान होगा। थोड़े प्रयत्न से ही आप अधिक उपलब्धि प्राप्त कर सकते हैं।

शिक्षा का व्यवसाय आपके लिए अधिक उपयुक्त रहेगा। आप शीघ्र ही ज्ञान प्राप्त कर लेते हैं और उसे सुरक्षित रखने में सक्षम हैं। आप सत्यनिष्ठ हैं और आपका व्यवहार उत्तम है। किसी भी स्तर के समाज में आपमेलजोल स्थापित कर सकते हैं अतः आपको सत्ता प्राप्त व्यक्तियों से लाभ प्राप्त हो सकता है। महत्वपूर्ण राजनीतियों से आपके संबंध होंगे तथा समारोहों में आप प्रायः विशेष अतिथि हो सकते हैं।

मेष में गुरु यह दर्शाता है कि आप अत्यंत महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं और अपने व्यवसाय में शिखर तक पहुंचने का लक्ष्य रखेंगे। आप स्वावलम्बी तथा अतिलोकप्रिय व्यक्ति होंगे।

आपकी प्रतिभा ऐसे कार्यों के लिए विशेष उपयुक्त होगी जिनमें गोपनीयता आवश्यक हो। आपमें संगठन—क्षमता भी होगी और आप राजनीति में ख्याति पा सकते हैं।

आप वाचाल हो सकते हैं तथा झूठी प्रतिष्ठा के लिए वायदे भी कर सकते हैं जिन्हें पूरा नहीं कर पाते। स्वभाव से आप तार्किक हैं तथा अपनी बात को सिद्ध करने में पूर्ण सक्षम सिद्ध होते हैं।

आपकी प्रगति में अनेक बाधाएं आ सकती हैं फिर भी आपके अत्यन्त धनवान होने तथा व्यवसाय में उच्चस्थान प्राप्त करने की संभावना है।

आप धर्मार्थ कार्यों पर उदारतापूर्वक खर्च करनेवाले व्यक्ति हैं। आपको मुकदमे में कुछ धन हानि होने की आशंका है। आपके अनेक शत्रु हो सकते हैं।

आपके मामा एक प्रसिद्ध व्यक्ति होंगे। बच्चों से आपके संबंध अधिक उत्तम नहीं होंगे।

वृश्चिक में शुक्र की स्थिति आपको भावनात्मक व्यक्तित्व प्रदान करती है, परन्तु आप अन्य व्यक्तियों की भावनाओं को समझ नहीं पाते हैं। आप प्रत्येक कार्य में तीव्र उत्साह दिखाते हैं, किन्तु आपके प्रस्ताव अस्वीकार कर दिए जाने पर आपका प्रेम भाव घृणा में परिवर्तित हो जाता है। व्यवहारतः रहस्यमय होने पर भी आप अपना गौरव बनाए रखते हैं।

वृश्चिक में शुक्र की स्थिति यह दर्शाती है कि आपका प्रेम वासनामय हो सकता है तथा घृणा और बदलेकी प्रवृत्ति जन्म ले सकती है। अपनी शक्ति को रचनात्मक कार्यों में लगाना आपके लिए लाभप्रद हो सकता है। आप दृढ़निश्चयी हैं तथा अपना मार्ग स्वयं प्रशस्त करने में विश्वास रखते हैं।

भोग—विलास प्रिय होने के कारण सामाजिक दृष्टिसे आपका जीवन निम्नस्तर का हो सकता है तथा आपके अपयश का कारण बन सकता है।

आप अतिव्ययी हैं तथा अपना सुख—दुख अपने जीवन—साथी के साथ बांटकर जीना चाहते हैं। अपनी प्रखर बुद्धि के कारण आप रहस्यों की गहराई तक पहुंच सकते हैं। आपकी रुचि गूढ़ विषयों में हो सकती है।

प्रेम अथवा विवाह में कुछ बाधा अथवा निराशा हो सकती है। आपके गुप्त शत्रु आपके लिए चिंता का विषय हो सकते हैं।

आपका जीवन—साथी परिचित परिवार का होगा तथा वह अनुभवी, एवं दृढ़निश्चयी भी हो सकता है।

कुछ उतार—चढ़ाव के बावजूद साझेदारी आपके लिए लाभदायक हो सकती है। पर्याप्त संकटपूर्ण जीवनव्यतीत करने के उपरान्त सुख—समृद्धि प्राप्त होने की संभावना है।

मदिरापान में आपकी रुचि हो सकती है। आपका स्वास्थ्य दुर्बल हो सकता है तथा बवासीर एवं प्रजननअंगों के रोगों की भी आशंका है।

इस युति के कारण आप की किसी से घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा आसानी से पूरी हो सकती है। इच्छित वस्तु प्राप्त करने के लिए आप किसी भी प्रकारका समझौता कर सकते हैं। आपको अच्छा जीवन पसन्द है तथा समान रूचि वाले व्यक्तियों की ओर ही आपका झुकाव होता है। यद्यपि आप अधिक चतुर व्यक्ति के रूपमें विख्यात होना पसन्द नहीं करते तथापि आप किसी भी कार्य के गुण—दोषों पर पूर्ण विचार कर लेते हैं। आप जान बूझकर उनके गुणों का उपयोग करते हैं। आप स्वयं को परिष्कृत व्यक्ति दिखाना चाहते हैं परन्तु चुनौती दिए जाने पर आक्रामक हो उठते हैं। अन्य व्यक्तियों द्वारा अपना शोषण होने के लिए स्वयं जिम्मेदार होते हुए भी आप क्रोधित हो जाते हैं। आपको अपनी स्वार्थी भावना पर नियंत्रण रखना चाहिए।

मेष में शनि के प्रभाव से आप में भविष्य की विशाल योजनाएं बनाने तथा उनको क्रियात्मक रूप देने की विलक्षण योग्यता होगी। आप विचार और व्यवहार दोनों में अग्रणी रहेंगे। स्वभाव से आप उग्र होंगे और क्रोध में सीमाका उल्लंघन भी कर सकते हैं।

आप कर्तव्यनिष्ठ तथा उद्यमी हैं तथा प्रत्येक कार्यको अपनी पूरी क्षमता से करते हैं। आप नैतिकता तथा उचित आचरण में विश्वास करते हैं। आप किसी भी रहस्यको गुप्त रख सकते हैं। आपके जीवन का पूर्वाह्न बाधाओं एवं विपत्तियों से ग्रस्त हो सकता है क्योंकि शनि आपको कोई भी साहसपूर्ण पग उठाने से रोकता है तथा आपको उत्तम आजीविका, सामान्य आर्थिक लाभ, आकांक्षाओं की पूर्ति आदि से वंचित कर सकता है।

आप स्थायी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित रह सकते हैं परन्तु आप शारीरिक कष्टों को अपने पथ में बाधक नहीं होने देंगे।

आपको वैवाहिक सुख कदाचित ही प्राप्त होगा। अपने जीवन—साथी के कारण आपमें असुरक्षा की भावना उत्पन्न होगी। आप अपने जीवन—साथी की अस्वस्थता से भी दुखी हो सकते हैं। भाई—बहिनों अथवा अन्य संबंधियों द्वारा आपके लिए कठिनाइयां उत्पन्न की जा सकती हैं। आप भारी व्यय से चिन्तित रहेंगे तथा आर्थिक स्थिति असन्तोषजनक रहेगी।

आपको मातृसुख प्राप्त नहीं होगा तथा मातृपक्ष के संबंधियों से भी आपके संबंध सौहार्दपूर्ण नहीं होंगे।

दुःस्थान में शनि आपके दीर्घ जीवन के अनुकूलनहीं है। बाल्यावस्था में भी अनिश्चयपूर्ण स्थितियां उत्पन्नहई होंगी। षष्ठ भाव में शनि स्वास्थ्य के लिए अत्यन्तअशुभ है तथा ऐसे रोगों की ओर इंगित करता है जोपरिस्थितिजन्य तथा असाध्य होंगे। आपको यक्ष्मा,बवासीर, निरन्तर जुकाम तथा पित्ताशय एवं नेत्रों सेसंबंधित रोग हो सकते हैं।

आप मूलतः भय से आकुल रहते हैं, इसलिएआपको काल्पनिक खतरों का भय रहता है। इस भावना सेबचने के लिए आप सदैव विजयी होना चाहते हैं औरइसके परिणामस्वरूप दूसरों के साथ आपके संबंध अधिकउलझनपूर्ण हो जाते हैं। यदि आप इस दृष्टिकोण को नहींबदलते तो अपने से उच्च अधिकारियों के साथ आपकोकठिनाई हो सकती है।

अच्छी हैसियत और उससे प्राप्त होने वाली सुरक्षा,यही आपके चरम लक्ष्य हैं किन्तु आपको यह समझ लेनाहोगा कि अनुचित साधनों से आप ये सुविधाएं प्राप्त नहींकर सकते। इन्हें प्राप्त करने के लिए आपको अपने उच्चअधिकारियों और साथियों के साथ सहयोगपूर्वक कामकरना होगा। शक्ति—संपन्न और धनवान व्यक्तियों के प्रतिआपकी ईर्ष्या भावना आपको अधीर बना सकती है।

आपके भाई—बहिनों की आपके प्रति सहयोग कीभावना नहीं रहेगी। साथ ही आपको पितृ सुख न मिलनेकी भी आशंका है।

यद्यपि आपकी धर्म में बड़ी आस्था है, किन्तु आपरुढ़िवादी रीतियों को नापसन्द करते हैं। फलतः आपजातीय परंपरा के विपरीत असामान्य तरीके से विवाह करसकते हैं।

अपनी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को सुधारने में आपकोअधिक समय लगेगा। सामान्यतः आप अपने जन्म स्थान सेदूर रहना पसंद करेंगे। आप पर माता—पिता की अपेक्षादादा—दादी का प्रभाव अधिक होगा। आप आसानी से किसीको मित्र नहीं बनाते किन्तु घनिष्टता होने पर संबंधों कोबढ़ा लेते हैं। मित्रों से कम लाभ होने की आशा है।

आपकी सम्मोहन शक्ति तथा आकर्षण से अन्यव्यक्ति आपकी ओर आकर्षित होते हैं। आपका व्यक्तित्वअत्यंत प्रभावशाली है। यद्यपि आप लेन—देन में स्वतंत्र एवंईमानदार हैं परन्तु कभी—कभी आप ऐसा व्यवहार करते हैंजिससे अन्य व्यक्ति आपको हीन भावना से ग्रस्त समझनेलगते हैं।

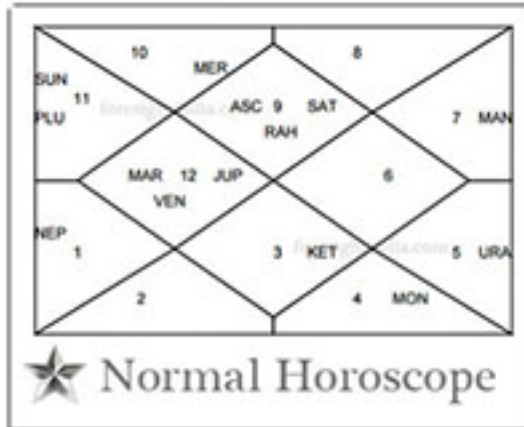
मित्रता में आप सामाजिक आधार को महत्त्व नहींदेते हैं। आप अपने अर्न्तबोध से यह जान लेते हैं किसमाज की प्रगति व्यक्तियों पर आधारित है समूह परनहीं। इसीलिए आप व्यक्तियों के अधिकार के के प्रतिसजग हैं।

आप वास्तव में भविष्यवादी हैं तथा उस सत्य कोस्वीकार नहीं करते जो भौतिक संसार से संबंधित है। आपएक साथ किसी भी परिस्थिति के अनुरूप अपने को ढालनेमें सक्षम हैं और आपमें जीवन जीवन के विभिन्न पहलुओंका अनुभव करने की योग्यता है।

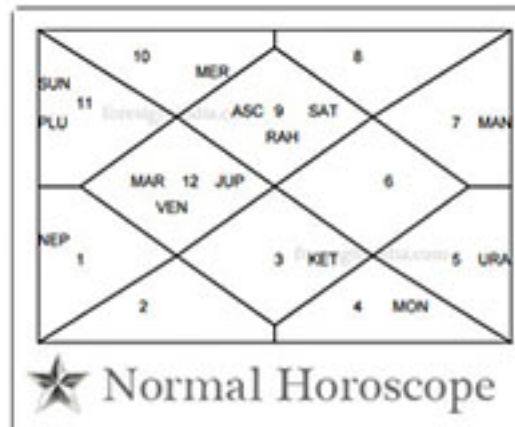
आपका जन्म बीसवीं शताब्दी के उस कोलाहल मेंहुआ है जबकि मानवता पतन से पूर्व उल्लासोन्माद मेंमग्न थी। आप नवीन मानवीय बोध का प्रतिनिधित्व करतेहैं जिससे पूर्व पीढ़ियां अनभिज्ञ थीं। गूढ़—विद्या में आपकीरुचि होगी।

आप जो भी निश्चय करें उसमें सफलता प्राप्तकर सकते हैं। आपमें अपनी शारीरिक, भौतिक तथाआध्यात्मिक सम्पदा को वास्तविक सम्पत्ति में परिवर्तितकरने की योग्यता है। आप अपने अवगुणों का त्याग करनेके लिए प्रयत्नशील रहते हैं और आप उन महान विभूतियोंमें से एक हैं जो अपने जीवन में ही अपने मन परविजय पा लेने में सफल होते हैं।

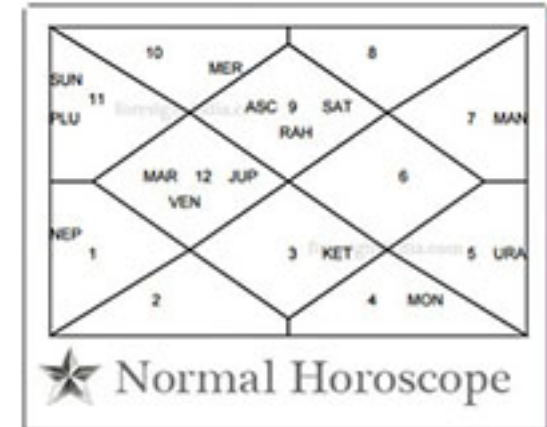
HOROSCOPES RECOMENDED FOR YOU



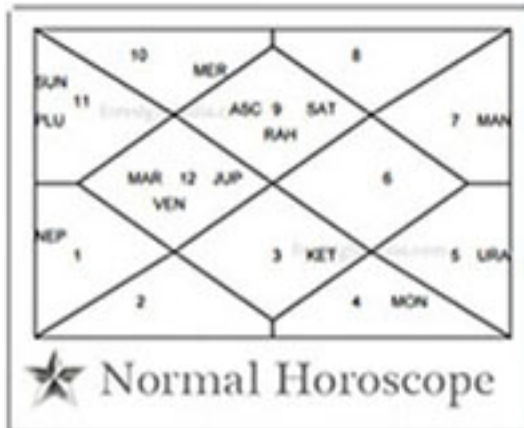
C1 Basic-Horoscope



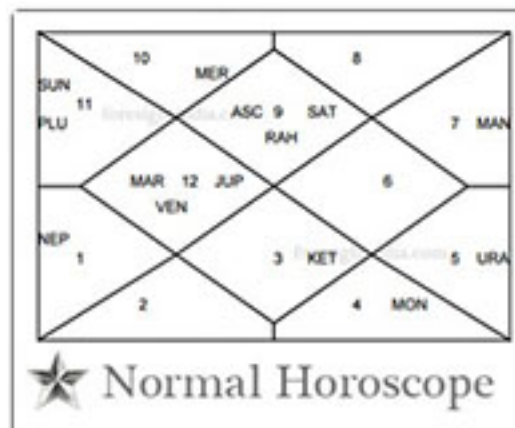
C2 Detailed-Horoscope



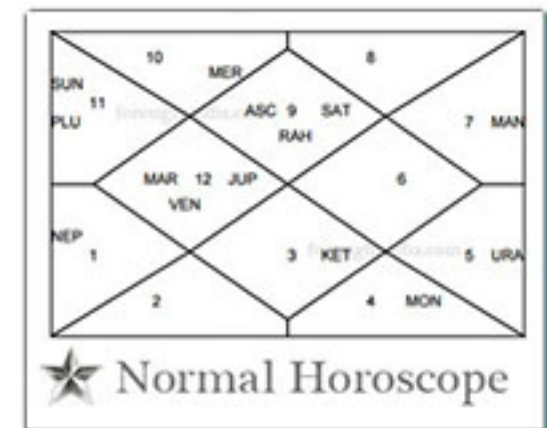
C3 Exhaustive-Horoscope



P1 Basic-Prediction



P2 Detailed-Prediction



P3 Exhaustive-Prediction